

# 神的圣灵是神传达

经历神—灵作传达

C452

(吉他: *Capo 3*)

|      |    |                |                  |
|------|----|----------------|------------------|
| D    | Bm | A              | D                |
| 1. 神 | 的  | 圣              | 灵                |
| 是    | 神  | 传              | 达,               |
| D    | Bm | A <sup>7</sup> | D A              |
| 借    | 祂, | 神              | 得                |
| 进    | 入  | 我              | 里;               |
| A    | Em | D              | A                |
| 借    | 祂, | 神              | 在                |
| 基    | 督  | 里              | 面,               |
| G    | D  | A              | A <sup>7</sup> D |
| 给    | 我  | 得              | 着,               |
| 作    | 我  | 经              | 历。               |

2. 神之为父是作源头,  
神之为子是为表现,  
神之为灵是为进入,  
使我得着神的丰满。

3. 父原住在难近光中,  
子来将祂向人显明;  
灵又将祂向人传达,  
人可灵中将祂接领。

4. 父在子里来人中间,  
子又成灵进入人里面;  
父、子、圣灵,  
三一之神,  
现今住在我们灵间。

5. 父神乃在子神里面,  
得着化身而得彰显;  
灵神乃是子神实际,  
给我得著作我恩典。

6. 但愿父神对我之爱,  
在子神里成我恩典,  
借着灵神交通传达,  
使我得享神的丰满。